संस्थान में अनुसंधान गतिविधियों की झलक

भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ में श्री गिरिराज सिंह, केन्द्रीय मंत्री, मात्स्यिकी, पशुपालन एवं डेयरी का दौरा

श्री गिरिराज सिंह, माननीय केन्द्रीय मंत्री, मात्स्यिकी, पशुपालन एवं डेयरी ने दिनांक 23 जनवरी, 2021 को भा कृ अनु प- केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान के मंडपम क्षेत्रीय केंद्र का दौरा किया और तमिल नाडु के रामनाथपुरम एवं टूटिकोरिन जिले के समुद्री पिंजरा मछली पालनकारों, समुद्री शैवाल कृषकों और समुद्री अलंकारी मछली बीज का पालन करने वाले एस एच जी के साथ विचार-विमर्श किया। विचार-विमर्श बैठक के दौरान उन्होंने मछुआरों की आजीविका में सुधार लाने और देश में मछली उत्पादन बढाने हेतु समुद्री संवर्धन को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना (पी एम एम एस वै) के तहत समुद्री शैवाल पैदावार, समुद्री अलंकारी मछली प्रजनन और पालन, समुद्री पिंजरा मछली पालन को बढ़ावा देने के लिए लाभार्थी उन्मुख योजनाओं के आधार पर तमिल में लीफलेट और भारत के संभाव्य समुद्री शैवाल पैदावार के स्थानों के जी आइ एस मानचित्र को दर्शाने वाले पोस्टर का विमोचन किया गया। 'जेलीसेफ' नामक बहुभाषीय पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। एन एफ डी बी द्वारा वित्त पोषित परियोजना के लाभार्थियों को कोबिया संततियों, एस सी एस पी महिला एस एच जी (7 ग्रुप) को समुद्री अलंकारी मछली बीजों और मछुआरों को 'जेली सेफ' किट का वितरण किया गया। डॉ. ए. गोपालकृष्णन, निदेशक, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ ने माननीय मंत्री और अन्य अधिकारी गण का स्वागत किया और मछुआरों को अतिरिक्त आजीविका के रूप में समुद्री संवर्धन के विकास में संस्थान की उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण दिया। डॉ. आर. जयकुमार, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी अध्यक्ष, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ मंडपम क्षेत्रीय केंद्र ने धन्यवाद अदा किया।

महिला एस एच जी को समुद्री शैवाल अंकुरों का वितरण

समुद्री पिंजरा मछली पालनकारों, समुद्री शैवाल कृषकों और समुद्री अलंकारी मछली बीज पालनकारों के साथ माननीय मंत्री का विचार-विमर्श

केंद्र के तकनीकी सहयोग से शुरू किये गये एकीकृत बहु पौष्टिक जलजीव पालन (आइ एम टी ए) और पालन गतिविधियों का निरीक्षण करने के लिए भारतीय तट रक्षक की सहायता से मन्नार खाड़ी के समुद्री पिंजरा मछली पालन स्थानों में होवरक्राफ्ट दौरा किया। केन्द्रीय मंत्री ने सी एम एफ आर आइ मंडपम क्षेत्रीय केंद्र के समुद्री पख मछली स्फुटनशाला और समुद्री अलंकारी मछली वीज उत्पादन सुविधाओं का दौरा भी किया। उन्होंने एन एफ डी बी द्वारा वित्तपोषित केंद्र के राष्ट्रीय समुद्री मछली ब्रूड बैंक और कोबिया ब्रूडस्टॉक विकास गतिविधियों का निरीक्षण किया।

माननीय केन्द्रीय मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने मन्नार खाड़ी के समुद्री पिंजरा मछली पालन साइटों का दौरा किया। डॉ. राजीव रंजन, आइ ए एस, सचिव, मात्स्यिकी, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, डॉ. जे. बालाजी, आइ ए एस, संयुक्त सचिव (मात्स्यिकी) मात्स्यिकी विभाग, डॉ. के. गोपाल, आइ ए एस, प्रधान सचिव, मात्स्यिकी, पशुपालन और डेयरी, तमिल नाडु, श्री जे. जयकान्तन, आइ ए एस, मात्स्यिकी आयुक्त, तमिल नाडु सरकार, श्री दिनेश पोन राज ओलिवर, आइ ए एस, जिलाधीश, रामनाथपुरम, डॉ. बी. मीनाकुमारी, भूतपूर्व डी डी जी, भा कृ अनु प और अध्यक्ष आर ए सी, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, डॉ. वी. कृपा, सदस्य सचिव, तटीय जलजीव पालन प्राधिकरण, श्री जी. रतिनाराज, कार्यपालक निदेशक, एन एफ डी बी और श्री के. मुरलीधरन, सदस्य, संस्थान प्रबंधन समिति, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ ने फील्ड दौरा और विचार-विमर्श बैठक में भाग लिया।

श्री गिरिराज सिंह मन्नार खाड़ी के समुद्री पिंजरा मछली पालन साइटों का निरीक्षण करते हुए